अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू

- 15 दिन की मोहलत के बाद होगी सख्त कार्रवाई
- विधायक ललिता यादव ने किया शुभारंभ

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 4 जुलाई. शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाकर यातायात व्यवस्था सुगम करने के उद्देश्य से शनिवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान की शुरुआत की गई. अभियान का शुभारंभ छतरपुर विधायक ललिता यादव की मौजूदगी में हुआ.

इस दौरान नगर पालिका का अमला, तीनों थाना क्षेत्रों का पुलिस बल, यातायात पुलिस, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका अध्यक्ष और अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे.प्रशासन ने अभियान के पहले चरण में जनजागरूकता पर जोर देते हुए नागरिकों से स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने की अपील की. विधायक ललिता यादव ने बताया कि अगले 15 दिनों तक बजरिया, चौक बाजार, पन्ना नाका, सागर रोड, नौगांव रोड सहित शहर के प्रमुख क्षेत्रों में जाकर दुकानदारों और नागरिकों को समझाइश दी जाएगी. उन्होंने कहा कि लोगों से हाथ जोड़कर अनुरोध किया जाएगा कि वे स्वयं अतिक्रमण हटाकर शहर को सुंदर, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने में सहयोग करें.उनका कहना था कि अतिक्रमण के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी होती है तथा बरसात में नालियों पर कब्जे के कारण जलभराव की समस्या भी बढ़ जाती है.

विधायक ने कहा कि कई बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान, बैंक और अस्पताल अपने बेसमेंट में पार्किंग की व्यवस्था नहीं करते, जिससे सड़क पर वाहन खड़े होने से जाम की स्थिति बनती है.उन्होंने बताया कि प्रशासन शहर में छत्रसाल चौराहा, हटवारा, पन्ना नाका और शिक्षा विभाग परिसर सहित अन्य स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था विकसित करेगा, ताकि यातायात सुचारु बना रहे.

उन्होंने स्पष्ट किया कि 15 दिन की समझाइश अवधि समाप्त होने के बाद भी यदि अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा.अभियान के दौरान प्रशासन ने सभी नागरिकों से शहर के विकास और बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए सहयोग की अपील करते हुए स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने का आग्रह किया.

बिस्ना खेड़ा में पेयजल संकट

छतरपुर. चंदला क्षेत्र के बिस्ना खेड़ा गांव में पेयजल संकट गहराता जा रहा हैं. गांव में केवल एक सरकारी हैंडपंप और एक पुराना कुआं ही सहारा हैं.यह कुआं जर्जर हालत में है और इसकी मुंडेर भी नहीं है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है.ग्रामीणों का कहना है कि कुएं के आसपास कचरा फैला रहता है और बच्चों व मवेशियों के गिरने का लगातार खतरा बना रहता है.शनिवार सुबह ग्रामीणों ने प्रशासन से सुरक्षित पेयजल व्यवस्था उपलब्ध कराने और जर्जर कुएं की मरम्मत की मांग की.

महिला की मौत पर सटई में बवाल

- बिजली गिरने से झुलस गई थी महिला
- इलाज में लापरवाही के आरोप पर फूटा जनाक्रोश

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 4 जुलाई. जिले के सटई कस्बे में आकाशीय बिजली से घायल महिला की कथित इलाज में लापरवाही के कारण हुई मौत के बाद जनाक्रोश भड़क उठा.वार्ड क्रमांक-14 भड़न पुरवा निवासी 38 वर्षीय राजकुमारी पटैल की मौत के विरोध में परिजनों और ग्रामीणों ने शुक्रवार शाम बस स्टैंड पर चक्काजाम कर दिया, जो पूरी रात जारी रहा.

शनिवार सुबह व्यापारियों ने भी आंदोलन के समर्थन में अपने प्रतिष्ठान बंद रखे.क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही. सीएमएचओ ने डॉक्टर का तबादला कर दिया है.

शुक्रवार शाम करीब 5 बजे राजकुमारी पटैल आकाशीय बिजली की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गई थीं.परिजन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सटई लेकर पहुंचे, लेकिन आरोप है कि अस्पताल में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था.समय पर उपचार और एंबुलेंस नहीं मिलने के कारण परिजन उन्हें निजी वाहन से जिला अस्पताल ले जाने लगे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई.जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.घटना से आक्रोशित लोगों ने अनुपस्थित डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई और सटई अस्पताल में 24 घंटे चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की.सूचना मिलते ही एसडीएम बिजावर विजय कुमार द्विवेदी, एसडीओपी अजय कुमार, तहसीलदार लक्ष्मी प्रसाद अहिरवार, नायब तहसीलदार इंद्र कुमार गौतम, थाना प्रभारी सुनीता बिंदुआ सहित तीन थानों का बल मौके पर पहुंचा और प्रदर्शनकारियों से चर्चा की.

सीएमएचओ ने डॉ. अरुणेंद्र शुक्ला का बकस्वाहा तबादला कर दिया.वहीं एसडीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर अनुपस्थित कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए.प्रशासन ने भविष्य में अस्पताल में 24 घंटे डॉक्टर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया. जिसके बाद परिजन और ग्रामीणों चक्काजाम समाप्त कर दिया.

छतरपुर में शुरू होगा 'लोक सेवा गुरुकुल'

- प्रतियोगी छात्रों को मिलेगी मुफ्त कोचिंग
- सेंट्रल लाइब्रेरी में 6 जुलाई से होगा शुभारंभ

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 4 जुलाई. प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए जिला प्रशासन ने एक अभिनव पहल करते हुए 'लोक सेवा गुरुकुल' की शुरुआत की है.इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्ग के छात्र-छात्राओं को छतरपुर में ही नि:शुल्क और गुणवत्तापूर्ण प्रतियोगी परीक्षा की कोचिंग उपलब्ध कराई जाएगी.

इस पहल का शुभारंभ 6 जुलाई को सिंचाई कॉलोनी स्थित सेंट्रल लाइब्रेरी में होगा, जहां अपर मुख्य सचिव (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) अशोक वर्णवाल भी भ्रमण करेंगे.

लोक सेवा गुरूकुल के तहत इसी सप्ताह से कलेक्टर पार्थ जैसवाल, जिला पंचायत सीईओ नम: शिवाय अरजरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदित्य पटले सहित जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक और विषय विशेषज्ञ स्वयं विद्यार्थियों को नि:शुल्क मार्गदर्शन देंगे.

कोचिंग में ऑफलाइन कक्षाओं के साथ डिजिटल अध्ययन सामग्री, ऑनलाइन संसाधन और नियमित मॉक टेस्ट की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि अभ्यर्थियों की तैयारी का समय-समय पर मूल्यांकन हो सके. कोचिंग कक्षाएं प्रत्येक सप्ताह गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को शाम 5 से 7 बजे तक संचालित होंगी. इसमें यूपीएससी, एमपीपीएससी, मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, बैंकिंग सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी.भूगोल, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, गणित, अंग्रेजी, रीजनिंग, अर्थशास्त्र, नीतिशास्त्र, मध्यप्रदेश सामान्य ज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी जैसे विषयों का अध्यापन कराया जाएगा. लोक सेवा गुरूकुल के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पी.पी. शुक्ला को कोर्स डायरेक्टर नियुक्त किया गया है.इच्छुक अभ्यर्थी पंजीयन एवं अधिक जानकारी के लिए 9893659908 पर संपर्क कर सकते हैं.

दूसरी शादी को लेकर एसपी ऑफिस में हंगामा

- महिला ने मायके पक्ष पर धमकी देने का लगाया आरोप
- परिजनों ने दूसरी शादी और बच्चों को लेकर किए पलटवार

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 4 जुलाई.पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शनिवार को एक पारिवारिक विवाद हाईवोल्टेज ड्रामे में बदल गया. दूसरी शादी करने का दावा करने वाली एक महिला अपने पति के साथ सुरक्षा की मांग लेकर एसपी कार्यालय पहुंची. महिला ने आवेदन देकर आरोप लगाया कि उसने 28 जून 2026 को कदारी निवासी करन अहिरवार से कोर्ट मैरिज के बाद रीति-रिवाज से विवाह किया है.

इसके बाद से उसके मायके पक्ष के लोग लगातार जान से मारने की धमकी देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं.महिला ने सुरक्षा उपलब्ध कराने और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की. महिला ने बताया कि उसकी बड़ी बहन अपने दो बच्चों को छोड़कर चली गई थी, जिनकी देखभाल परिवार के साथ उसने भी की.अब उसकी बहन, मां और अन्य परिजन उन्हीं बच्चों को उसका बताकर जबरन जिम्मेदारी सौंपने का दबाव बना रहे हैं.महिला का आरोप है कि 2 जुलाई को परिजन एक बच्ची को उसके घर छोड़ गए और उसे उसकी बेटी बताते हुए वहां से चले गए.

वहीं, मायके पक्ष ने एसपी कार्यालय पहुंचकर महिला के सभी आरोपों को निराधार बताया.महिला की बहन गीता अहिरवार ने दावा किया कि महिला पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं.उनका कहना है कि वह अप्रैल माह में घर छोड़कर चली गई थी और बाद में इंस्टाग्राम के माध्यम से उसकी दूसरी शादी की जानकारी मिली.परिजनों ने आरोप लगाया कि महिला अब अपने ही बच्चों को अपनाने से इनकार कर रही है.

पुलिस कर रही है मामले की जांच

दोनों पक्षों के आमने-सामने आने से एसपी कार्यालय परिसर में तनावपूर्ण माहौल बन गया.इसी दौरान मायके पक्ष के साथ मौजूद महिला की नानी ने कथित रूप से बच्चों की ओर पत्थर फेंकने का प्रयास किया, जिसे मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल रोक दिया.पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाइश देकर सिविल लाइन थाना भेज दिया.पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के आवेदन प्राप्त हो गए हैं और मामले की निष्पक्ष जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.

एक नजर में

करंट लगने से मजदूर की मौत

छतरपुर, 4 जुलाई. शहर के महल रोड पर शनिवार दोपहर एक मकान का लेंटर तोड़ने के दौरान करंट लगने से मजदूर देवेंद्र की मौत हो गई.घटना दोपहर करीब 1 बजे की बताई जा रही है. साथ में काम कर रहे विशाल प्रजापति ने बताया कि मशीन से लेंटर तोड़ते समय अचानक करंट फैल गया, जिसकी चपेट में आने से देवेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए. साथी मजदूरों ने उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया.घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.प्रारंभिक तौर पर हादसा बिजली करंट लगने से होना बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है.घटना के बाद मृतक के परिजनों में शोक का माहौल है.

मवई ग्राम में जमीनी विवाद पर मारपीट

छतरपुर, 4 जुलाई. जिले के ग्राम मवई में जमीनी विवाद को लेकर एक परिवार के साथ मारपीट का मामला सामने आया है.पीड़िता रेखा खंगार ने आरोप लगाया कि करीब एक दर्जन लोगों ने लाठी-डंडों से उनके परिवार पर हमला कर दिया.उनका दावा है कि यह मारपीट पुलिस की मौजूदगी में हुई, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं की गई.घटना में परिवार के कई सदस्य घायल हुए हैं, जिनमें कुछ की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है.जिला अस्पताल में पीड़िता ने निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की.

संकट मोचन मंदिर में गौशाला का निर्माण शुरू

- धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के जन्मोत्सव पर हुए धार्मिक आयोजन

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 4 जुलाई. पंडित धीरेंद्रकृष्ण शास्त्री के 30वें जन्मोत्सव के अवसर पर छतरपुर शहर के संकट मोचन मंदिर में संकट मोचन समिति द्वारा प्रस्तावित गौशाला निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया.इस अवसर पर मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना, वैदिक मंत्रोच्चार एवं विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए.

श्रद्धालुओं ने पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं राष्ट्रसेवा के लिए प्रार्थना करते हुए जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया. संकट मोचन मंदिर के महंत राजीव लोचन दास महाराज ने कहा कि उन्हें रायपुर (छत्तीसगढ़) से होने पर गर्व है और छतरपुर के संकट मोचन मंदिर का महंत बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है.उन्होंने कहा कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का जन्म छतरपुर जिले के ग्राम गढ़ा में हुआ है.उनके 30वें जन्मोत्सव के अवसर पर दिल्ली सहित छतरपुर के विभिन्न धार्मिक स्थलों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा अनेक धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं.

संकट मोचन समिति के अध्यक्ष अभिलाष मिश्रा ने बताया कि पिछले वर्ष मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री संकट मोचन मंदिर आए थे.उसी समय उन्होंने प्रस्तावित गौशाला का भूमि पूजन किया था.उनके जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर अब गौशाला निर्माण कार्य का औपचारिक शुभारंभ किया गया है.समिति ने इसे गौसेवा, धार्मिक आस्था और समाजसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया. कार्यक्रम में समाजसेवी राजेंद्र अग्रवाल, राकेश तिवारी, विनोद मिश्रा, सूरज राठौर, जितेंद्र निगम, विपिन गुप्ता, राम सहाय कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे.

नाग-नागिन का दुर्लभ प्रणय नृत्य, वीडियो वायरल

छतरपुर, 4 जुलाई. जिले के लवकुशनगर क्षेत्र के ज्योराहा गांव में नाग-नागिन का दुर्लभ प्रणय नृत्य देखने को मिला.गांव निवासी रामप्रकाश प्रजापति ने शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे इस अनोखे दृश्य को अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया. वीडियो में दोनों सर्प एक-दूसरे से लिपटकर अठखेलियां करते नजर आ रहे हैं.सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद कई लोगों ने इसे सर्पों की लड़ाई समझ लिया. हालांकि, विशेषज्ञों के अनुसार यह लड़ाई नहीं, बल्कि प्रजनन (कोर्टशिप) की स्वाभाविक प्रक्रिया है.इस दुर्लभ दृश्य को देखने के लिए मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई.वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से साझा किया जा रहा है.

गिरे पेड़ को हटाने पर मारपीट, 6 घायल

- गढ़ीमलहरा के ग्राम पिड़पा में कहासुनी मारपीट में बदली
- दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने दर्ज किया मामला

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 4 जुलाई. जिले के गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र के ग्राम पिड़पा में मेड़ पर गिरे पेड़ को हटाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद मारपीट में बदल गया.घटना में दोनों पक्षों के तीन-तीन लोग घायल हो गए. सभी घायलों को महाराजपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार और मेडिकल परीक्षण (एमएलसी) किया गया.पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. जानकारी के अनुसार, तेज आंधी और बारिश के दौरान खेत की मेड़ पर खड़ा एक पेड़ गिरकर दूसरे भाई की जमीन पर बने तीन टपरों पर जा गिरा.

टपरों के नीचे बंधे मवेशी भी पेड़ के नीचे दब गए.बताया गया कि पेड़ को काटकर हटाने की बात पहले से तय थी, लेकिन समय पर ऐसा नहीं होने पर मवेशियों वाले पक्ष के लोग दूसरे भाई के खेत पर पहुंच गए.इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो बाद में मारपीट में बदल गई.ग्रामीणों के अनुसार, जमीन के बंटवारे के बाद से दोनों भाइयों के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा था.

पुलिस का कहना है कि घटना में दोनों पक्षों के कुल छह लोग घायल हुए हैं.दोनों पक्षों की शिकायत दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है.जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी.

जायजा कलेक्टर ने फर्नीचर, पेयजल, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की

निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का किया निरीक्षण

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 4 जुलाई. कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने गौरगांय स्थित निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का विस्तृत जायजा लिया. उन्होंने अधिकारियों के साथ मेडिकल कॉलेज परिसर का भ्रमण करते हुए प्रथम एवं द्वितीय छात्रावास, प्रशासनिक भवन, लाइब्रेरी, लेक्चर हॉल, ओपन थिएटर, मुख्य प्रवेश द्वार, गार्डन एरिया, डीन कक्ष तथा काउंसिल कक्ष सहित विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया. इस दौरान एसडीएम प्रशांत अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.पी. गुप्ता, पीआईयू के कार्यपालन यंत्री एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे.झ निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का बारीकी से परीक्षण किया और परिसर में उपलब्ध कराई जा रही पेयजल, विद्युत एवं अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की.उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेडिकल कॉलेज में फर्नीचर की स्थापना सहित शेष सभी निर्माण एवं व्यवस्थागत कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाएं, ताकि कॉलेज का संचालन शीघ्र शुरू किया जा सके और विद्यार्थियों को समय पर सुविधाएं मिल सकें. कलेक्टर ने मेडिकल कॉलेज भवन में स्थापित फायर सेफ्टी सिस्टम और उसके मैकेनिज्म का भी निरीक्षण किया.उन्होंने सुरक्षा उपकरणों की कार्यप्रणाली की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए.साथ ही कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए और हर कार्य तय मानकों के अनुरूप पूरा किया जाए, जिससे मेडिकल कॉलेज भविष्य में बेहतर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा का केंद्र बन सके.

बिजली गिरने से 10 बकरियों की मौत

- ईशानगर क्षेत्र के बौड़ा गांव की घटना
- बकरी पालक परिवार पर आया आर्थिक संकट

नवभारत न्यूज

छतरपुर, 4 जुलाई. जिले के ईशानगर क्षेत्र के ग्राम बौड़ा में देर शाम आकाशीय बिजली गिरने से एक परिवार को बड़ा आर्थिक झटका लगा.खेत में बरगद के पेड़ के नीचे खड़ी 10 बकरियों की बिजली गिरने से मौके पर ही मौत हो गई. इस घटना के बाद बकरी पालन पर निर्भर परिवार के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है. जानकारी के अनुसार, ग्राम बौड़ा निवासी 60 वर्षीय सुंदर अहिरवार बीती शाम दिदोल तिगेते के पास अपने खेत में बकरियां चरा रहे थे.इसी दौरान मौसम अचानक बदला और तेज गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हो गई.बारिश के कारण सभी बकरियां पास खड़े बरगद के पेड़ के नीचे एकत्र हो गईं.तभी पेड़ पर आकाशीय बिजली गिर गई, जिसकी चपेट में आने से सभी 10 बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई.

सुंदर अहिरवार का परिवार मुख्य रूप से बकरी पालन से ही अपना जीवनयापन करता है.एक साथ 10 बकरियों की मौत से परिवार की वर्षों की मेहनत पर पानी फिर गया है.पीड़ित ने शासन-प्रशासन से घटना का सर्वे कराकर उचित आर्थिक सहायता और मुआवजा देने की मांग की है, ताकि वह दोबारा बकरी पालन शुरू कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर सके.